

कृषि सलाहकार सेवा

मार्च 2023 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

1. प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल
रोपित की गई फसल के लिए

- जिन किसानों ने पहले ही रोपाई पूरी कर ली है, रोपाई के 5-8 दिनों के बाद वे दानेदार शाकनाशी बेंसल्फ्यूरॉन-मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर 4 किग्रा/ एकड़ की दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलो रेत/एकड़ में मिलाकर समान रूप से छिटकावा विधि से खेत में प्रयोग करें या रोपाई के 3-5 दिनों के बाद पायराज़ोसल्फ्यूरॉन-एथिल 10 डब्ल्यूपी 80 ग्राम / एकड़ दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या रोपाई के 10-15 दिनों बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- रोपे गए खेत में पीला तना छेदक और पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए धान के खेत में 5 मिलीग्राम ल्यूर/एकड़ के साथ 3 फेरोमोन ट्रेप लगाएं। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।
- बकाने रोग का प्रकोप दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर दोबारा छिड़काव करें।

पहले से ही स्थापित प्रतिरोपित धान फसल

- स्थापित प्रतिरोपित धान के खेत में 35 किग्रा/एकड़ की दर से 20-25 डीएटी (दौजियां निकलने की अवस्था) पर टॉप ड्रेसिंग के रूप में यूरिया डालें।
- यदि खरपतवार नियंत्रण के लिए आविर्भाव-पूर्व/शीघ्र आविर्भाव वाली शाकनाशी प्रयोग नहीं किया गया है तो रोपाई करने के 15-20 दिनों बाद हाथों से निराई करें या चौड़े पत्ते वाले खरपतवार नियंत्रण के लिए आविर्भाव पश्चात शाकनाशी पेनॉक्ससुलम 1.02% + साइहालोफॉप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली / एकड़ दर से प्रयोग करें।
- पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800

मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।

- प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

2. आर्द्र सीधी बुआई चावल

- पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट की संख्या प्रत्येक जाल 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।
- यदि आविर्भाव-पूर्व शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुआई के 5-10 दिन के बाद बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ से या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में या बुआई करने के 15-20 दिनों बाद पेनोक्सुलाम 1.02% + साइहालोफाफ-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली/एकड़ दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- यदि भूरे धब्बे का प्रकोप दिखाई दे तो प्रोपीकोनाजोल 25% ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 12% + मैकोजेब 63% 500 ग्राम/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।